भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

ICAR-Central Institute for Cotton Research, Nagpur

An ISO 9001:2015 Certified Organisation

27 अगस्त से 2 सितंबर, 2024 तक कपास की खेती के लिए बारहवीं साप्ताहिक सलाह

हरियाणा		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा (मिमी)					अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		अगस्त					अगस्त / सितंबर				
		23	24	25	26	27	29	30	31	01	02
	हिसार	4.7	0	0	0	12.2	3	2	5	3	2
	जींद	0	1.2	4.2	0	0	3	2	6	2	3
	सिरसा	1.5	0.5	0	0	0	3	2	5	2	3
	रोहतक	0	0	0	0	8	3	4	5	0	0
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 से 2.4 मिमी		2.5 से 15.5 मिमी		15.6 से 64.4 मिमी		64.5 से 115.5 मिमी		115.6 से 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

हिसार में, फसल फूल आने से बोल निर्माण की अवस्था में 77 से 126 दिन की है। उन क्षेत्रों में फूल उचित अवस्था में है जहां वर्षा न्यूनतम थी। अधिकांश खेत खरपतवार से मुक्त हैं। हालाँकि, बारिश के बाद कुछ खेतों में मोथा, मकरा, संथी और दूब जैसे खरपतवार देखे गए। फसल की वृद्धि के अनुसार खुरपा/फावड़े से हाथ से निराई-गुड़ाई करें अथवा यांत्रिक गुड़ाई करें। सफेद मक्खी की संख्या केवल कुछ स्थानों पर आर्थिक सीमा से ऊपर है जहां कम वर्षा हुई थी। जैसिड की संख्या आर्थिक सीमा को पार कर रही है और अधिकांश क्षेत्रों में थ्रिप्स की संख्या आर्थिक सीमा से नीचे है। पिछले सप्ताह के दौरान गुलाबी बॉलवर्म की ट्रैप पकड़ में वृद्धि हुई है, लेकिन गुलाबी बॉलवर्म का संक्रमण कई खेतों में फूलों और बॉल्स पर दिखाई देने लगा है। जड़ सड़न और पौधों के मुरझाने के कुछ मामले देखे गए है।. कई स्थानों पर पत्ती मोड़ने वाला वायरस रोग (कॉटन लीफ कर्ल वायरस रोग) भी देखा गया। कुछ खेतों में, जहां कम वर्षा हुई थी, सूटी मोल्ड भी देखी गई। शाकनाशी संदूषण के कारण कपास की पत्तियों की विकृति के कुछ मामले देखे गए।

सिरसा में, फसल, 94 से 119 दिन की अवस्था में फूल आने और बीजकोष बनने की होती है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान बादल, बरसात और गर्म आर्द्र मौसम बना रहा। ट्रैक्टर/बैल द्वारा अंतर-कृषि संचालन, हाथ से निराई-गुड़ाई, निराई-गुड़ाई और यूरिया की दूसरी विभाजित खुराक का प्रयोग किया गया तथा चूसने वाले कीटों और गुलाबी बॉलवर्म के लिए कीटनाशक का छिड़काव किया गया। कुछ स्थानों पर, कीटनाशक के टैंक मिश्रण का छिड़काव किया गया। सभी स्थानों पर खरपतवार उग आए हैं। सभी स्थानों पर स्कवेर, फूल और बीजकोष का बन रहे है। सफ़ेद मक्खी का प्रकोप 11-38/3 पत्तियों के बीच, थ्रिप्स की संख्या आर्थिक सीमा से नीचे और और गुलाबी बॉलवर्म का संक्रमण हरे बीजकोष क्षति के आधार पर ईटीएल के ऊपर (**5-20%**) दर्ज किया गया। कुछ स्थानों पर सूटी मोल्ड एवं सीएलसीयूडी का प्रकोप देखा गया।

परामर्श:

हिसार में, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे बारिश के बाद अतिरिक्त पानी निकाल दें और प्रति एकड़ 1 बैग यूरिया की तीसरी खुराक डालें। सिंचाई या बारिश के बाद हाथ से निराई-गुड़ाई या यांत्रिक निराई करें। 100 दिन से ज़्यादा पुरानी कपास की फसल के मामले में, 2.5% यूरिया+0.5% $ZnSO_4$ (21%) का पत्तियों पर छिड़काव करें, खास तौर पर हल्की मिट्टी में। कपास की फसल में जहां फूल आना शुरू हो गया है, प्रति एकड़ कम से कम 150-200 फूलों का

निरीक्षण करें ताकि गुलाबी बॉलवर्म लार्वा संक्रमण की जांच हो सके। गुलाबी इल्ली की निगरानी के लिए प्रति एकड़ 2 फेरोमोन ट्रेप लगाएं। कपास की फसल में शुरुआती मौसम के रोसेट फूलों को इकट्ठा करके नष्ट कर दें। प्रोफेनोफोस 50 ईसी @ 600 मिली/एकड़ या इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @ 100 ग्राम/एकड़ या इंडोक्साकार्ब 14.5% एससी @ 200 मिली/एकड़ या क्लोरपायरीफोस 20% ईसी @ 500 मिली/एकड़ का पत्तियों पर छिड़काव करके गुलाबी बॉलवर्म के संक्रमण का प्रबंधन करें। सफेद मक्खी और जैसिड संक्रमण को फ्लोनिकैमिड 50 डब्ल्यूजी @ 80 ग्राम या एफिडोपाइरोपेन 50 डीसी @ 400 मिली/एकड़ की दर से पत्तियों पर छिड़काव करके प्रबंधित करें। प्रारंभिक रोगसूचक पौधों और आस-पास के स्वस्थ पौधे के लिए प्रभावित पौधों को कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी @ 2 ग्राम/लीटर पानी से सराबोर कर खेत में जड़ सड़न से प्रभावित भाग का इलाज करें। बाढ़ सिंचाई से पहले जड़ सड़न प्रभावित क्षेत्रों को मेड़ बनाकर सीमित कर दें ताकि इस बीमारी को आगे फैलने से रोका जा सके। शुरुआती मौसम में कपास के लीफ कर्ल वायरस से संक्रमित पौधों को उखाड़कर गाड़ दें। पैराविल्ट के मामले में, प्रभावित पौधों पर लक्षण दिखाई देने के तुरंत बाद, प्रभावित पौधों पर कोबाल्ट क्लोराइड @ 10 मिलीग्राम/लीटर पानी का छिड़काव करें। सूटी मोल्ड के प्रबंधन के लिए, सफेद मक्खी के लिए किए गए छिड़काव के अलावा, कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 डब्ल्यूपी @ 2-3 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव करें। साप्ताहिक अंतराल पर नियमित रूप से और वर्षा के बाद खेतों की निगरानी करें।

सिरसा में, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अंतर-कृषि संचालन कार्य जारी रखें। सिंचाई या बारिश के बाद नाइट्रोजन उर्वरक की दूसरी विभाजित खुराक डालें। स्क्वेर, फूल और बोल्स को बनाए रखने के लिए, एनपीके 13:00:45 @ 2 किग्रा /100 लीटर पानी डालें और 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार दोहराएं। यदि फसल स्क्वेर, फूलों और बोल्स के साथ है और पत्तियां लाल हो रही हैं, तो प्रति एकड़ 100 लीटर पानी में 1.0 किलोग्राम मैग्नीशियम सल्फेट का छिड़काव करें और एक पखवाड़े के बाद दोहराएं। फसल की कतारों के बीच खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए निर्देशित छिड़काव (सुरक्षात्मक हुड का उपयोग करके) के रूप में 1,250 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर पैराक्वाट या 2,250 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर ग्लूफ़ोसिनेट अमोनियम का छिड़काव करें। छिड़काव के लिए प्रति एकड़ 200-250 लीटर पानी का प्रयोग करें। कीट-पतंगों की घटनाओं की नियमित निगरानी करें। गुलाबी बॉलवॉर्म की निगरानी के लिए 2/एकड़ की दर से फेरोमोन ट्रेप और सफेद मक्खी की निगरानी और प्रबंधन के लिए 40 कम लागत वाले पीले चिपचिपे जाल स्थापित करें। सफ़ेद मक्खी के वयस्कों के प्रबंधन के लिए, डायफेन्थियूरोन 50% डब्ल्यूपी @ 240 ग्राम/एकड़ (खेत या तो सिंचित होना चाहिए या वर्षा प्राप्त होनी चाहिए) या एफिडोपाइरोपेन 50 डीसी @ 400 मिली/एकड़ या डाइनोटेफ्यूरान 20 एसजी @ 60 ग्राम/एकड़ या फ़्लोनिकैमिड 50 डब्ल्यूजी @ 80 ग्राम या प्रोफ़ेनोफ़ॉस 50 ईसी @ 600 मिली/एकड़ का छिड़काव करें। थ्रिप्स को नियंत्रित करने के लिए स्पिनेटोरम 11.7% एससी @170 मिली/एकड़ का छिड़काव करें। यदि सूटी मोल्ड दिखाई देता है, तो पत्तियां चिपचिपी हो जाती हैं या यदि सफ़ेद मक्खी की निमफल आबादी अधिक है, तो पहले वयस्क के दिखने के 3-5 दिन बाद पाइरीप्रॉक्सीफेन 10 ईसी @ 400 मिली या स्पिरोमेसिफेन 22.9 एससी @ 240 मिली /एकड़ का छिड़काव करें। उपचारात्मक उपाय के रूप में प्रोपीकोनाज़ोल 25 ईसी @1 मिली/लीटर या मैंकोज़ेब 30% डब्ल्यूडीजी @ 2.0 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (COC) 50 डब्ल्यूपी @ 2.5 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव दोबारा करें। डिनोटफ्यूरान 20 एसजी @ 60 ग्राम या फ्लोनिकैमिड 50 डब्ल्यूजी @ 80 ग्राम या टॉल्फ़ेनपाइराड 15 ईसी @ 400 मिलीलीटर या फेनपाइरोक्सिमेट 5% ईसी @ 300 मिलीलीटर प्रति एकड़ का छिड़काव करके जैसिड संक्रमण का प्रबंधन करें। रोसेट फूल को नष्ट करें, और यदि गुलाबी बॉलवर्म घटना फूल के आधार पर ईटीएल को पार कर जाती है यानी प्रति एकड़ देखे गए 100 में से 10 या अधिक फूल, या 20 में से 2 बोल गुलाबी बॉलवर्म से संक्रमित हैं या लगातार 3 रातों के लिए प्रति रात 5-8 नर, ट्रेप पकड़ते हैं, तो स्पाइनेटोरम 11.7 एससी @170 मिली या प्रोफेनोफॉस 50 ईसी @ 600 मि.ली./एकड़ या इमामेक्टिन

बेंजोएट 5 एसजी @ 100 ग्राम/एकड़ या इंडोक्साकार्ब 14.5 एससी @ 200 मिली/एकड़ या थायोडिकार्ब 75 डब्ल्यूपी @ 250 ग्राम 150 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। पैराविल्ट के लक्षण दिखाई देने पर केवल प्रभावित पौधों पर लक्षण दिखाई देने के तुरंत बाद (24 घंटे के भीतर) कोबाल्ट क्लोराइड 10 मिलीग्राम/लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। बोल सड़न और सूटी मोल्ड के लिए, कार्बेन्डाजिम 50% डब्ल्यूपी @ 0.4 ग्राम या प्रोपीनेब 70% डब्ल्यूपी @ 2.5-3 ग्राम/लीटर या एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 18.2% + डिफेनोकोनाज़ोल 11.4% एससी @ 1 मिली/लीटर या प्रोपिकोनाज़ोल 25 ईसी @1 मिली /लीटर या पायराक्लोस्ट्रोबिन 20% एससी @ 1 ग्राम/लीटर या (फ्लक्सापायरोक्सैड 167 ग्राम/एल + पायराक्लोस्ट्रोबिन 333 ग्राम/एल एससी) @ 0.6 मिली/लीटर या (मेटिरम 55% + पायराक्लोस्ट्रोबिन 5% डब्लूजी) @2 ग्राम प्रति लीटर पानी का रोगनिरोधी छिड़काव करें। कीटनाशकों और कवकनाशकों के टैंक मिश्रण के छिड़काव से बचें। केवल अनुशंसित कीटनाशकों या कवकनाशकों का ही छिड़काव करें।

राजस्थान		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा (मिमी)					अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		अगस्त					अगस्त / सितंबर				
		23	24	25	26	27	29	30	31	01	02
	अजमेर	3.6	7	79	59.9	16.6	20	20	32	4	9.1
	जोधपुर	0.8	10	4	15.4	0.5	14	8	16	1.3	0
	नागौर						14	8	26	0.7	2
	पाली	0	0	8	29	26	12	10	10	4	1
	श्रीगंगानगर	2	0	0	0	3.3	4.1	4	20	2	0
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 से 2.4 मिमी		2.5 से 15.5 मिमी		15.6 से 64.4 मिमी		64.5 से 115.5 मिमी		115.6 से 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

दक्षिणी राजस्थान (बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद और उदयपुर) में फसल 49 से 77 दिन की उम्र में स्क्वेरिंग और फूल अवस्था में है। खरपतवार प्रबंधन और नाइट्रोजन की पहली खुराक के आवेदन के लिए अंतर-कृषि संचालन किया गया। खेत खरपतवार से मुक्त हैं। जैसिड्स की उपस्थिति ईटीएल से ऊपर देखी गई और सफेद मक्खी का संक्रमण ईटीएल के नीचे है। अभी तक बीमारियों का कोई प्रकोप नहीं देखा गया है।

श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में फसल 81 से 116 दिन की अवस्था में है, जिसमें स्क्वेर गठन, फूल आना और बीजकोष विकसित होना शामिल है। बुवाई के बाद सिंचाई की गई है। हाथ से निराई/गुड़ाई और अंतर-कृषि संचालन कार्य प्रगति पर हैं। जैसिड की संख्या 0 to 1.8/3 पत्तियां, सफेद मक्खी की संख्या 3 से 15.37/3 पत्तियां और थ्रिप्स की आबादी 0 से 9.54/3 पत्तियां दर्ज की गईं।

परामर्श:

दक्षिणी राजस्थान (बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डुनारपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद और उदयपुर आदि) में किसानों को समय पर खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकालने की सलाह दी जाती है। यदि आवश्यक हो, तो फसल अवस्था के अनुसार नाइट्रोजन उर्वरकों की अनुशंसित खुराक डाले। पहले बोई गई कपास में रस चूसने वाले कीटों के संक्रमण पर नजर रखें। यदि ईटीएल के पास किसी भी चूसने वाले कीट के संक्रमण की सूचना मिलती है, तो नीम के बीज का अर्क (एनएसकेई) 5% + नीम का तेल 5 मिलीलीटर / लीटर या नीम तेल आधारित फॉर्मूलेशन 5 मिलीलीटर / लीटर (300 या 1500 पीपीएम) + 0.05% कपड़े धोने का डिटर्जेंट का छिड़काव करें। सफेद मक्खी और जैसिड की घटनाओं पर नजर

रखने के लिए प्रति एकड़ 8-10 पीले चिपचिपे ट्रेप लगाएं। जब रस चूसने वाले कीटों का संक्रमण ईटीएल को पार कर जाए तो फ्लोनिकामिड 50% डब्ल्यूजी @ 80 ग्राम/एकड़ या डिनोटेफ्यूरान 20% एसजी @ 60 ग्राम/एकड़ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एसएल @ 60 मिली/एकड़ या टॉलफेनपाइरोड 15% ईसी @ 400 मिली/एकड़ या फेनपाइरोक्सिमेट 5% ईसी @ 300 मिली/एकड़ का छिड़काव करें। गुलाबी बॉलवर्म के लिए 2/एकड़ की दर से फेरोमोन ट्रेप लगाएं और रोसेट फूलों की भी निगरानी करें। वैधता के अनुसार फेरोमोन ट्रैप के ल्यूर बदलें। यदि गुलाबी बॉलवर्म का प्रकोप देखा जाए (बुआई के 60-90 दिन बाद), तो प्रोफेनोफॉस 50% ईसी @ 30 मिली/10 लीटर (1500 मिली/हेक्टेयर) या इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @ 5 ग्राम/10 लीटर (250 ग्राम/हेक्टेयर) या इंडोक्साकार्ब 14.5% एससी @10 मिली/10ली (500 मिली/हेक्टेयर) या क्लोरपाइरीफॉस 20% ईसी @ 25 मिली/10ली (1250 मिली/हेक्टेयर) का छिड़काव करें।

श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में, किसानों को सलाह दी जाती है कि जहां भी फसल 80 दिन से अधिक पुरानी हो, वहां 2% पोटेशियम नाइट्रेट का छिड़काव करें। कीटों और बीमारियों के लिए फसल की नियमित निगरानी करें। शुरुआती चरण में रस चूसने वाले कीटों और गुलाबी बॉलवर्म के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए नीम के बीज का अर्क (एनएसकेई) 5% + नीम फॉर्मूलेशन @ 5 मिली/लीटर या नीम तेल आधारित फॉर्मूलेशन 5 मिली/लीटर (300 या 1500 पीपीएम) + 0.05% ग्राम कपड़े धोने वाले डिटर्जेंट का पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
यदि रस चूसने वाले कीटों का संक्रमण ईटीएल के ऊपर देखा जाए तो नियंत्रित करने के लिए फ्लोनिकैमिड 50% डब्ल्यूजी @ 80 ग्राम/एकड़ या डिनोटेफ्यूरान 20%एसजी @ 60 ग्राम/एकड़ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एसएल @ 60 मिली/एकड़ या टोलफेनपाइरोड 15% ईसी @ 400 मिली/एकड़ या फेनपाइरोक्सिमेट 5% ईसी @ 300 मिली/एकड़ का छिड़काव करें।
थ्रिप्स का अधिक संक्रमण होने पर, स्पिनेटोरम 11.7 एससी @ 170 मिली/एकड़ या प्रोफेनोफोस 50 ईसी @ 600 मिली/एकड़ का छिड़काव करें। जब भी गुलाबी बॉलवर्म की आबादी ईटीएल को पार कर जाए, तो कोई एक रासायनिक कीटनाशक जैसे इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @ 100 ग्राम/एकड़ या प्रोफेनोफोस 50% ईसी @ 600 मिलीलीटर/एकड़ का छिड़काव करें। पिछले वर्ष गुलाबी बॉलवर्म से प्रभावित पाए गए स्थानों की बारीकी से निगरानी करें। गुलाबी बॉलवॉर्म गतिविधि की निगरानी के लिए 2/एकड़ की दर से फेरोमोन ट्रेप स्थापित करें। कपास में बोल सड़न रोग और पत्ती धब्बा रोग प्रबंधन के लिए प्रोपीनेब 70% डब्ल्यूपी @ 2.5-3 ग्राम/लीटर या प्रोपिकोनाज़ोल 25 ईसी @ 1 मिली/लीटर या कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी @ 0.4 ग्राम प्रति लीटर पानी का पत्तियों पर छिड़काव करने की सलाह दी जाती है।

मध्य प्रदेश		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा (मिमी)					अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		अगस्त					अगस्त / सितंबर				
		23	24	25	26	27	29	30	31	01	02
	खरगाँव										
	धार	11.6	11	6.4	34.3	21.7	11	13	16	22	60
	खांडवा										
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 से 2.4 मिमी		2.5 से 15.5 मिमी		15.6 से 64.4 मिमी		64.5 से 115.5 मिमी		115.6 से 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

खंडवा में बोई गई फसल 56 से 105 दिन पुरानी है और वानस्पतिक/ स्क्वेर /फूल/ बोल निर्माण अवस्था में है। खेत की परिस्थितियों के आधार पर जगह-जगह निराई-गुड़ाई, फर्टिगेशन और पौध संरक्षण उपाय किए गए। पर्याप्त वर्षा होने के कारण सिंचाई नहीं की गई। खेतों में खरपतवार हावी हो गए हैं। कुछ खेतों में जैसिड और सफ़ेद मक्खी का प्रकोप देखा गया। कुछ स्थानों पर बैक्टीरियल ब्लाइट, कोरीनेस्पोरा और सर्कोस्पोरा लीफ स्पॉट का प्रकोप देखा गया है। धार, बड़वानी और छिंदवाड़ा जिलों के कुछ क्षेत्रों में पौधे के अचानक सूखने के लक्षण देखे गए हैं।

परामर्श:
खंडवा में किसानों को रासायनिक खाद की तीसरी खुराक देने की सलाह दी जाती है। जिस क्षेत्र में फसल 35 दिन से अधिक पुरानी हो गई हो, उस क्षेत्र में बैलचालित कोलपा से निराई-गुड़ाई शुरू करें। नम मिट्टी की स्थिति में जहां हाथ से निराई करना संभव नहीं है, यदि खेत घास वाले खरपतवारों से संक्रमित है तो क्विज़ालोफॉप इथाइल 5% ईसी @ 2 मिली/लीटर पानी, यदि चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार से संक्रमित है तो पाइरिथियोबैक सोडियम 10% ईसी @ 1.25 मिली/लीटर पानी यदि घास और चौड़ी पत्ती वाले दोनों खरपतवार से संक्रमित है तो पाइरिथियोबैक सोडियम 6% ईसी + क्विज़ालोफॉप एथिल 4% ईसी @ 2-2.5 मिली/लीटर पानी जैसे शाकनाशी का प्रयोग करें। गुलाबी बॉलवॉर्म की निगरानी के लिए प्रति एकड़ दो फेरोमोन ट्रैप लगाएं और सफेद मक्खी की निगरानी के लिए 8 प्रति एकड़ की दर से पीले चिपचिपे ट्रैप लगाएं। फसलें जो 90 दिन पार कर चुकी है और यदि उनमे रसचूसक कीट का प्रकोप ईटीएल से अधिक है तो डायफेन्थियूरोन 50% डब्ल्यूपी @ 240 ग्राम/एकड़ या डिनोटेफ्यूरान 20 एसजी @ 60 ग्राम/एकड़ या फ्लोनिकामिड 50 डब्ल्यूजी @ 80 ग्राम/एकड़ या प्रोफेनोफॉस 50 ईसी @ 600 मिली/एकड़ का छिड़काव करें। कपास में बोल सड़न रोग और पत्ती धब्बा रोग प्रबंधन के लिए प्रोपीनेब 70% डब्ल्यूपी @ 2.5-3 ग्राम/लीटर या प्रोपिकोनाज़ोल 25 ईसी @ 1 मिली/लीटर या कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी @ 0.4 ग्राम प्रति लीटर पानी का पत्तियों पर छिड़काव करने की सलाह दी जाती है।

डॉ. रचना पांडे और डॉ. पूजा वर्मा द्वारा अनुवादित